



भारत का राजपत्र

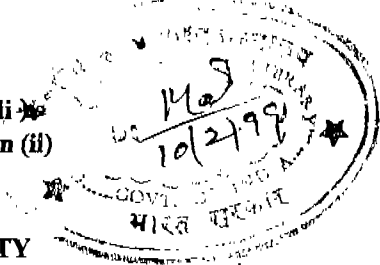
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 678]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 14, 1998/आश्विन 22, 1920

No. 678]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 14, 1998/ASVINA 22, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना संख्या 24(आर ई-98)/1997-2002

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1998

कां आ. 905(अ).—वनों से प्राप्त पादपों, पाद अंश और उनकी व्युत्पत्तियों और सारों के निर्यात से संबंधी अधिसूचना संख्या-2 (आर ई-98)/1997-2002 दिनांक 13 अप्रैल, 1998 के पैरा-4 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. निर्यात और आयात नीति, 1997-2002 के पैराग्राफ 41 के साथ पठित विदेश व्यापार विकास और विनियमन अधिनियम, 1992 (1992 की संख्या-22) की धारा-5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार वनों से प्राप्त पादपों, पाद अंशों और उनकी व्युत्पत्तियों और सारों के निर्यात से संबंधित "निर्यात और आयात मदों के वर्गीकरण, 1997-2002" नामक पुस्तक के परिशिष्ट-2, अनुसूची-2 में, एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधित करती है।

(1) वनों से प्राप्त निम्नलिखित 29 पादपों, पाद अंशों और उनकी व्युत्पत्तियों और सारों, उनसे तैयार फार्मूलेशंस "इनका अपवाद है, का निर्यात निषिद्ध है :—

1. बेडोमस सायकाड (सायकास बेडोमेई)
2. ब्लू वेंडा (वेंडा कोइरुलिया)
3. सौसूरिया कोस्टस
4. लेडीज स्लिपर आर्चिर्टड (पाफिआपेडी लियम स्पीशिय)
5. पिचर प्लांट (मेपेंथिय खसियाना)
6. रैड वेंडा (रेथेरिया इमस्कूटीयाना)
7. रो वेलिफ्रया सर्पेरिया (सर्पगंधा)

8. सेरोपेजहिया स्पीशिय
9. फेरिया इंडिका (शिडकल मंनकुंडी)
10. पोडोफिलितयम हेक्सांड्रम (इमोडी)(इंडियन पोडो फिक्कलियम)
11. सायदीएसिया स्पीशिय
12. साय का डेसिया स्पीशिय
13. डिओएफोरिया डेल्टोइडिया (एलीफेंटस फुट)
14. यूफोर्बिया प्रजातियां (यूफोर्बियाज)
15. आरबिडेसी प्रजातियां (आरबिड्स)
16. टेरोकारपस सेन्टैलीनस (रैडसेन्डर्स)
17. टैक्सस चालीबाइना (कामन यू या बिर्मी लीज)
18. एक्वीलेरिया मैलेसेन्सीज (अंगरबुड)
19. एकोनिटम प्रजातियां
20. कोपटिस टीटा
21. कॉसीमियम फेनेस्ट्रम (कैलुम्बा बुड)
22. डैक्टाइलोरिजा हैटा जाइरिया
23. जैनटाघना कुरु (कुरु कुटकी)
24. नीटाम प्रजातियां
25. कैम्फेरिया गैलेंगा
26. परडोस्टाकाइज ग्रैन्डीफ्लोरा
27. पैनेक्स स्यूडोजिनसिंग
28. पिकोरिजा कुरुआ
29. स्वरटिआ चिराटा (चरायाटाह)

*यहां प्रयोग किये गये "फार्म्यूलेशन" शब्द में वे उत्पाद शामिल

होगे जिनमें निषेधात्मक सूची में शामिल पौधों के हिस्से/सार निहित हों किन्तु इन्हें न तो पहचाना जा सकता हो और न ही विभाजित किया जा सकता हो।

(2) पौधे और पौधों के हिस्से, उपर्युक्त पौधों की प्रजातियों (क्रम संख्या 16 को छोड़कर) की उगाई गयी किस्मों के व्युत्पत्ति और सार का निर्यात करने की अनुमति होगी, बशर्ते कि क्षेत्रीय उपनिदेशक (वन्य जीवन) या मुख्य वन संरक्षक या संबंधित राज्य जिनसे पौधे और पौधे का भाग प्राप्त किया गया है, के प्रभागीय वन अधिकारी से उगाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए। तथापि, सी आई टी ई एस के उपर्युक्त पैराग्राफ 2(1) के परिशिष्ट 1 (क्रम संख्या 1 से 6) और उपर्युक्त पैरा 2(1) के परिशिष्ट 2 (क्रम संख्या 7 से 18 और क्रम संख्या 26 और 28) द्वारा शामिल प्रजातियों की उगायी गयी किस्मों के संबंध में निर्यात हेतु सी आई टी ई एस परमिट भी लेना होगा।

(3) ऊपर पैराग्राफ 2, उप पैरा 1 में निर्दिष्ट पौधों और पौधों के हिस्सों की आयातित प्रजातियों से निर्मित उपर्युक्त पैराग्राफ 2 के उप पैरा (1) के तहत परिभाषित मूल्य संवर्द्धित फार्म्यूलेशन्स का बिना किसी प्रतिबंध के मुक्त रूप से निर्यात करने की अनुमति होगी बशर्ते निर्यात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारी के समक्ष एक शपथपत्र प्रस्तुत किया जाए कि निर्यात किए जा रहे मूल्य संवर्द्धित फार्म्यूलेशन्स के विनिर्माण के लिए केवल आयातित पौधे की प्रजातियों का ही प्रयोग किया गया है। यदि यदा-कदा नमूनों की जांच के आधार पर शपथपत्र गलत पाया जाता है तो विदेश व्यापार (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1992 के तहत फर्म के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

(4) सभी फार्म्यूलेशन्स, हर्बल आयुर्वेदिक औषधियों के संबंध में जहां लेबल में किसी ऐसे घटक का उल्लेख नहीं किया गया हो जिसे किन्हीं निषिद्ध पौधों से निकाला गया हो, तो किसी भी प्राधिकारी से प्रमाण पत्र लिए बिना इन मदों का मुक्त रूप से निर्यात किया जा सकता है।

(5) निर्यात केवल मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली, चेन्नई, ट्रूटीकोरिन और अमृतसर पत्तनों के माध्यम से किया जाएगा।

3. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं० 53/5/97-पी. सी.-3]

न. ल. लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

Notification No. 24(RE-98)/1997-2002

New Delhi, the 14th October, 98

S. O. 905(E).—Attention is invited to para 4 of Notification No. 2(RE-98)/1997-2002 dated the 13th April, 1998 relating to export of plants, plant portion and their derivatives and extracts obtained from the wild.

2. In exercise of the powers conferred under Section 5 of the Foreign Trade Development & Regulation Act, 1992 (No. 22 of 1992) read with Paragraph 4.1 of the Export and Import Policy 1997-2002, the Central Government hereby makes the following amendment in the Schedule 2 Appendix 2 of the book titled "ITC (HS) classifications of Export and Import Items 1997-2002" relating to export of plants, plant

portions and their derivatives and extracts obtained from the wild.

"(i) The export of under mentioned 29 plants, plant portions and their derivatives and extracts as such obtained from the wild except the formulations* made therefrom, is prohibited :—

1. *Beddomea cycad* (*Cycas beddomei*).
2. *Blue vanda* (*Vanda coerulea*).
3. *Saussurea costus*.
4. *Ladies slipper orchid* (*Paphiopedilium* species).
5. *Pitcher plant* (*Nepenthes khasiana*).
6. *Red vanda* (*Renanthera imschootiana*).
7. *Rauwolfia serpentina* (*Sarpagandha*).
8. *Ceropegia* species.
9. *Frerea indica* (*Shindal Mankundi*).
10. *Podophyllum hexandrum* (*emodi*) (*Indian Podophyllum*).
11. *Cyatheaceae* species (*Tree Ferns*).
12. *Cycadaceae* species (*Cycads*).
13. *Dioscorea deltoidea* (*Elephants's foot*).
14. *Euphorbia* species (*Euphorbias*).
15. *Orchidaceae* species (*Orchids*).
16. *Pterocarpus santalinus* (*Redsanders*).
17. *Taxus Wallichiana* (*Common Yew or Birmi leaves*).
18. *Aquilaria malaccensis* (*Agarwood*).
19. *Aconitum* species.
20. *Coptis tecta*.
21. *Coscinium fenestratum* (*Calumba wood*).
22. *Dactylorhiza hatagirea*.
23. *Gentiana kurroo* (*Kuru, Kutki*).
24. *Gnetum* species.
25. *Kamphoria galenga*.
26. *Nardostachys grandiflora*.
27. *Panax pseudoginseng*.
28. *Picrorhiza kurroa*.
29. *Swertia chirata* (*Charayatah*).

*The term "formulation" used here shall include products which may contain portions/extracts of plants on the prohibited list but only in unrecognizable and physically inseparable form.

(ii) Plants and Plant portions, derivatives and extracts of the cultivated varieties of the above plant species (excluding Sl. No. 16) will be allowed for export subject to production of a Certificate of Cultivation from the Regional Deputy Director (Wild Life), or Chief Conservator of Forests or Divisional Forest Officers of the State concerned from where these plants and plant portions have been procured. However, in respect of the cultivated varieties of the species as covered by Appendix 1 (Sl. No. 1 to 6) of paragraph 2(i) above and Appendix 2 (Sl. No. 7 to 18 and Sl. No. 26 & 28) of Para 2(i)

above, of CITES, a CITES permit for export will also be required.

(iii) The value added formulations, as defined under sub-para (i) of Paragraph 2 above made out of imported species of plants and plant portions as specified in Sub-para (i) paragraph 2 above will be allowed to be exported freely without any restriction subject to furnishing of an affidavit to the Customs authorities at the time of export that only the imported plant species as above have been used for the manufacture of value added formulations being exported. In the event of affidavit proving to be false, on the basis of random sample tests, action would be initiated against the firm under the Foreign Trade (Development & Regulation) Act, 1992.

(iv) All formulations, herbal/Ayurvedic medicines, where the label does not mention any ingredients extracted from these prohibited plants shall be freely exportable without the requirement of any certification from any authorities whatsoever.

(v) Export allowed only through the ports of Mumbai, Calcutta, Cochin, Delhi, Chennai, Tuticorin and Amritsar."

3. This issues in public interest.

[F. No. 53/5/97-P.C. III]

N. L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade

